NCERTCLASS.COM
NCERT WALA
grow your mind

बिहार बोर्ड

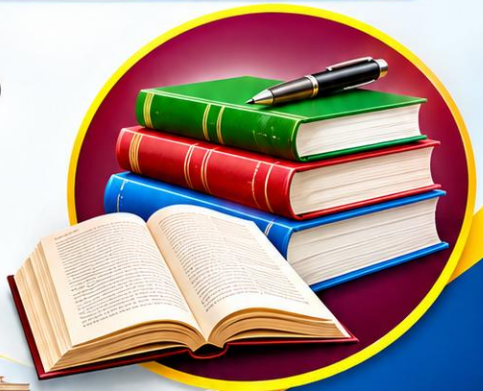
Exam Capsule

E-Book PDF

हिंदी

महत्वपूर्ण प्रश्न एवं उत्तर

- अध्यायवार सारांश
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQ)
- लघु उत्तरीय प्रश्न
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
- महत्वपूर्ण प्रश्न संग्रह



सूची-पत्र (Index)

भाग 1 – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (36 प्रश्न)

क्र. सं.	प्रश्न	खंड	पेज	Link
1.	अम्बेदकर के अनुसार जाति-प्रथा के पोषक उसके पक्ष में क्या तर्क देते हैं?	गद्य-खंड	पेज 7	Click Here
2.	भीमराव अम्बेदकर किस विडम्बना की बात करते हैं? इसका स्वरूप क्या है?	गद्य-खंड	पेज 8	Click Here
3.	सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए लेखक ने किन विशेषताओं को आवश्यक माना है?	गद्य-खंड	पेज 8	Click Here

क्र. सं.	प्रश्न	खंड	पेज	Link
16.	कवयित्री के अनुसार सृष्टि की विकास-कथा कैसे लिखी जाती है?	पद्य-खंड	पेज 25	Click Here
17.	मक्खी के जीवन-क्रम का कवि द्वारा उल्लेख किये जाने का क्या आशय है?	पद्य-खंड	पेज 25	Click Here
18.	'हमारी नींद' शीर्षक कविता में कवि ने किन अत्याचारियों का जिक्र किया है और क्यों?	पद्य-खंड	पेज 25	Click Here

वर्णिका भाग-2 (8 प्रश्न)

1.	'मंगम्मा' कहानी के कथावाचक का परिचय अपने शब्दों में दीजिए।	वर्णिका भाग-2	पेज 26	Click Here
2.	मंगम्मा का अपनी बहू के साथ किस बात को लेकर विवाद था?	वर्णिका भाग-2	पेज 26	Click Here
3.	लक्ष्मी कौन थी? उसकी पारिवारिक स्थिति का उत्तर अपने शब्दों में दीजिए।	वर्णिका भाग-2	पेज 27	Click Here

गद्य-खंड (6 प्रश्न)

1.	नेताजी की मूर्ति पर चश्मा देखकर 'कैप्टन' चश्मे वाले की देशभक्ति का क्या परिचय मिलता है?	गद्य-खंड	पेज 27	Click Here
2.	नेताजी की मूर्ति पर चश्मा देखकर हालदार साहब के मन में क्या भाव जागे?	गद्य-खंड	पेज 28	Click Here
3.	बालगोबिन भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर गाकर संगीत-साधना क्यों की?	गद्य-खंड	पेज 28	Click Here

पद्य-खंड (5 प्रश्न)

1.	'हरि हैं राजनीति पढ़ि आए' – इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।	पद्य-खंड	पेज 28	Click Here
2.	'हमारैं हरि हारिल की लकरी' – इस पद का भावार्थ लिखिए।	पद्य-खंड	पेज 28	Click Here
3.	परशुराम के क्रोध का क्या कारण था?	पद्य-खंड	पेज 28	Click Here

व्याकरण (6 प्रश्न)

1.	'यशोधरा' का संधि-विच्छेद कीजिए और संधि का नाम बताइए।	व्याकरण	पेज 29	Click Here
2.	'चंद्रशेखर' किस समास का उदाहरण है? स्पष्ट कीजिए।	व्याकरण	पेज 29	Click Here

क्र. सं.	प्रश्न	खंड	पेज	Link
	[illegible]			
	[illegible]			
	[illegible]			
	[illegible]			

रचना (3 प्रश्न)

1.	औपचारिक पत्र और अनौपचारिक पत्र में क्या अंतर है?	रचना	पेज 30	Click Here
2.	पत्र-लेखन के प्रमुख अंगों का उल्लेख कीजिए।	रचना	पेज 30	Click Here
3.	निबंध के प्रमुख अंगों (प्रस्तावना, मध्य भाग, उपसंहार) का उल्लेख कीजिए।	रचना	पेज 30	Click Here

अपठित (2 प्रश्न)

1.	गद्यांश के अनुसार वृक्ष हमारे लिए क्यों उपयोगी हैं? किन्हीं दो उपयोगों का उल्लेख कीजिए।	अपठित	पेज 30	Click Here
2.	वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?	अपठित	पेज 30	Click Here

भाग 4 — अपठित अवबोधन (6 गद्यांश, 30 प्रश्न)

क्र. सं.	प्रश्न	खंड	पेज	Link
1.	अपठित गद्यांश 1 — भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को महत्त्व नहीं दिया।	अपठित	पेज 74	Click Here
2.	अपठित गद्यांश 2 — विश्वविद्यालय कोई ऐसी वस्तु नहीं है जो समाज से काटकर अलग की जा सके।	अपठित	पेज 75	Click Here
3.	अपठित गद्यांश 3 — अपने जीवन के अंतिम वर्षों में डॉ0 सच्चिदानन्द सिन्हा की उत्कट अभिलाषा ...	अपठित	पेज 76	Click Here
	[illegible]			
	[illegible]			
	[illegible]			

भाग 5 — पत्र-लेखन (9 पत्र)

क्र. सं.	प्रश्न	खंड	पेज	Link
1.	अपनी बड़ी बहन के पास एक पत्र लिखें जिसमें आपने नव वर्ष किस प्रकार मनाया, इसका वर्णन हो।	पत्र-लेखन	पेज 78	Click Here
2.	छात्रावास में एक स्थान देने के लिए प्रधानाध्यापक/प्राचार्य के पास एक आवेदन-पत्र लिखें।	पत्र-लेखन	पेज 79	Click Here
3.	बोर्ड परीक्षा की तैयारी का वर्णन करते हुए अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें।	पत्र-लेखन	पेज 79	Click Here
	[illegible]			
	[illegible]			
	[illegible]			

प्रश्न 24. "मेरे बिना तुम प्रभु" कविता के आधार पर भक्त और भगवान के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: 'मेरे बिना तुम प्रभु' कविता में रेनर मारिया रिल्के ने भक्त और भगवान के बीच एक अनोखे संबंध पर प्रकाश डाला है। कवि के अनुसार भक्त और भगवान का संबंध एकतरफा नहीं है, बल्कि दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। भगवान भक्त के बिना अधूरे हैं और भक्त भगवान के बिना अधूरा है, यही इस कविता का मूल भाव है।

• कवि कहता है कि भक्त अपने हृदय में भगवान को स्थान देता है, जैसे पात्र में मदिरा रखी जाती है।

• भगवान भक्त के प्रेम और भक्ति से ही अपनी महिमा पाते हैं, क्योंकि बिना भक्त के उनकी करुणा का कोई अर्थ नहीं रहता।

• भक्त भगवान के बिना अपने जीवन का अर्थ नहीं पाता, क्योंकि भगवान ही उसके जीवन की प्रेरणा और शक्ति हैं।

• इस संबंध में न तो भक्त छोटा है और न भगवान बड़े हैं, बल्कि दोनों प्रेम के एक ही धागे से बँधे हुए हैं।

अतः भक्त और भगवान का संबंध परस्पर निर्भरता और प्रेम का संबंध है। कवि ने इस कविता से यह संदेश दिया है कि सच्ची भक्ति में भक्त और भगवान दोनों एक-दूसरे के पूरक होते हैं और यही भक्ति की सबसे बड़ी विशेषता है।

प्रश्न 25. 'प्रतीक्षा करते हैं पत्थर' शीर्षक कविता में कवि क्यों और कैसे पत्थर का मानवीकरण करता है?

उत्तर: 'प्रतीक्षा करते हैं पत्थर' कविता में कवि ने पत्थर का मानवीकरण बड़ी कुशलता से किया है। मानवीकरण का अर्थ है निर्जीव वस्तु में मानवीय भावनाएँ और क्रियाएँ दिखाना। कवि पत्थरों को ऐसे प्राणी के रूप में देखता है जो सदियों से मनुष्य की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

• कवि कहता है कि पत्थर सदियों से एक ही स्थान पर पड़े हुए हैं और वे मनुष्य के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जैसे कोई प्रियजन की प्रतीक्षा करता है।

• पत्थरों की प्रतीक्षा का अर्थ है कि वे मनुष्य के हाथों मूर्ति या कलाकृति बनने की आशा में हैं, जिससे उन्हें एक नया अर्थ मिलेगा।

• कवि ने पत्थरों में धैर्य का गुण दिखाया है, क्योंकि वे बिना शिकायत के वर्षों तक प्रतीक्षा करते रहते हैं।

• इस मानवीकरण से कवि यह कहना चाहता है कि प्रकृति की हर वस्तु में भी भावनाएँ होती हैं, बस मनुष्य को उन्हें समझने की दृष्टि चाहिए।

अतः कवि ने पत्थर का मानवीकरण इसलिए किया है, क्योंकि वह प्रकृति और मनुष्य के बीच के गहरे संबंध को दिखाना चाहता है। पत्थरों की प्रतीक्षा मनुष्य की सृजनशीलता की प्रतीक्षा है, और यही इस कविता की सबसे बड़ी विशेषता है।

वर्णिका भाग-2

प्रश्न 26. मंगम्मा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर: मंगम्मा 'दही वाली मंगम्मा' पाठ की मुख्य पात्र है और उसके चरित्र में अनेक गुणों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। वह एक साधारण दही बेचने वाली महिला है, परंतु उसका व्यक्तित्व असाधारण है। लेखक ने उसके चरित्र को बड़ी सहानुभूति से गढ़ा है, जिससे वह पाठक के मन में गहरी छाप छोड़ती है।

• मंगम्मा मेहनती महिला है, वह प्रतिदिन सुबह उठकर दही बनाती है और गाँव-गाँव घूमकर उसे बेचती है, जिससे वह अपने परिवार का पालन-पोषण करती है।

• वह ईमानदार है और अपने दही की गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं करती, इसलिए गाँव के लोग उस पर पूरा विश्वास करते हैं।

• मंगम्मा स्वाभिमानी है, वह अपनी मेहनत की कमाई पर जीती है और किसी के सामने हाथ नहीं फैलाती।

• वह ममतामयी स्वभाव की है और अपने ग्राहकों के साथ प्रेम तथा आत्मीयता से व्यवहार करती है।

अतः मंगम्मा का चरित्र एक मेहनती, ईमानदार, स्वाभिमानी और ममतामयी महिला का चरित्र है। लेखक ने उसके माध्यम से यह दिखाया है कि साधारण जीवन जीने वाले लोगों में भी असाधारण गुण होते हैं और मेहनत ही सच्ची पूँजी होती है। उसका जीवन मेहनत और ईमानदारी की प्रेरणा देता है।

प्रश्न 27. लक्ष्मी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालें।

उत्तर: लक्ष्मी 'ढहते विश्वास' पाठ की मुख्य पात्र है और उसके व्यक्तित्व में संघर्ष, धैर्य और आस्था का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। वह एक साधारण महिला है, परंतु उसके जीवन की कठिनाइयाँ और उनसे जूझने की उसकी शक्ति उसे असाधारण बना देती है। लेखक ने उसके व्यक्तित्व को बड़ी मार्मिकता से प्रस्तुत किया है।

प्रश्न 12. नागरी लिपि कब तक सार्वदेशिक लिपि थी?

उत्तर: नागरी लिपि ईसा की आठवीं से ग्यारहवीं सदी तक पूरे देश में व्याप्त थी, इसलिए उस समय यह एक सार्वदेशिक लिपि थी। इसके लेख दक्षिण भारत में आठवीं सदी से और उत्तर भारत में नौवीं सदी से मिलने लगते हैं। उस समय नागरी लिपि के साथ-साथ अनेक प्रादेशिक भाषाएँ भी जन्म ले रही थीं। धीरे-धीरे प्रादेशिक लिपियों का विकास हुआ और नागरी लिपि का क्षेत्र सिमटता गया, पर उत्तर भारत में यह आज भी प्रमुख लिपि बनी हुई है।

प्रश्न 13. देवनागरी लिपि में कौन-कौन सी भाषाएँ लिखी जाती हैं? पठित पाठ के आधार पर इसका उल्लेख करें।

उत्तर: देवनागरी लिपि में हिन्दी और उसकी बोलियाँ, संस्कृत, मराठी, नेपाली (खसकुरा) तथा नेवारी भाषाएँ लिखी जाती हैं। संसार में जहाँ भी संस्कृत और प्राकृत की पुस्तकें छपती हैं, वे प्रायः देवनागरी लिपि में ही छपती हैं। इसके अलावा नेपाल की नेपाली भाषा भी इसी लिपि में लिखी जाती है। इस प्रकार देवनागरी केवल हिन्दी की लिपि नहीं है, बल्कि कई भाषाओं की साझा लिपि है और इसका क्षेत्र बहुत व्यापक है।

प्रश्न 14. कहानीकार 'अमरकान्त' को क्यों लगता है कि नौकर रखना बहुत जरूरी हो गया था?

उत्तर: कहानीकार के घर में काम बहुत बढ़ गया था और घर की औरतें अकेले सब काम नहीं संभाल पाती थीं। बच्चे भी छोटे थे और घर की देखभाल के लिए किसी की जरूरत थी। इसलिए कहानीकार को लगता था कि एक नौकर रखना बहुत जरूरी हो गया है। तभी उन्हें बहादुर मिलता है — एक बारह-तेरह साल का सीधा-सादा नेपाली लड़का, जिसे वे घर के काम के लिए रख लेते हैं।

प्रश्न 15. बहादुर के चले जाने पर सबको पछतावा क्यों होता है? पठित पाठ के आधार पर इसका उल्लेख करें।

उत्तर: बहादुर के चले जाने पर सबको पछतावा होता है, क्योंकि वे समझ जाते हैं कि बहादुर ईमानदार और मेहनती था। उस पर चोरी का शक किया गया था, पर उसके सामान में गोलियाँ, पुराने ताश, पत्थर और कागज़ की नावें मिलीं — ये सब एक बच्चे के खिलौने थे, चोरी का माल नहीं। अपनी भूल का अहसास होने पर घर के लोग दुखी होते हैं कि उन्होंने एक मासूम बच्चे पर शक किया और उसे जाने दिया।

प्रश्न 16. अपने शब्दों में पहली बार दिखे बहादुर का वर्णन कीजिए।

उत्तर: पहली बार जब बहादुर दिखाई देता है, तो वह एक बारह-तेरह साल का दुबला-पतला नेपाली लड़का होता है। उसके कपड़े मैले-कुचैले होते हैं और वह डरा-सहमा सा खड़ा रहता है। उसकी आँखों में मासूमियत और चेहरे पर भोलापन साफ झलकता है। वह धीरे-धीरे बोलता है और घर के लोगों को देखकर सकुचाता है। उसका यही सीधा-सादा रूप सबको अच्छा लगता है।

प्रश्न 17. "मैं उठकर अलगनी के पास गया और उसके नेकर की जेब में हाथ डालकर उसके सामान निकालने लगा—वही गोलियाँ, पुराने ताश की गड्डी, खूबसूरत पत्थरी, ब्लेड, कागज की नावें, ..." —कहानीकार के इस कथन से बहादुर के चरित्र का कौन-सा पक्ष उजागर होता है? स्पष्ट करें।

उत्तर: कहानीकार जब बहादुर की जेब से गोलियाँ, पुराने ताश की गड्डी, खूबसूरत पत्थरी, ब्लेड और कागज़ की नावें निकालता है, तो बहादुर के चरित्र का मासूम और भोला पक्ष उजागर होता है। इससे पता चलता है कि बहादुर चोर नहीं, बल्कि एक साधारण बच्चा था, जिसे खिलौनों और छोटी-छोटी चीज़ों से प्यार था। उसका मन बिल्कुल साफ था और वह घर के लोगों के प्रति वफादार था। यही उसकी मासूमियत उसे सबसे अलग बनाती है।

प्रश्न 18. साहित्य के निर्माण में प्रतिभा की भूमिका स्वीकार करते हुए लेखक किन खतरों से आगाह करता है?

उत्तर: लेखक प्रतिभा की भूमिका को स्वीकार करते हुए भी आगाह करता है कि परम्परा के नाम पर रूढ़ियों को आँख मूँदकर नहीं अपनाना चाहिए। परम्परा का अंधानुकरण प्रतिभा को दबा देता है और नई सोच को रोकता है। इसलिए प्रतिभा को परम्परा का मूल्यांकन करके ही उसे अपनाना चाहिए — जो अच्छा है उसे रखना चाहिए और जो पुराना पड़ गया है उसे छोड़ देना चाहिए। इसी से साहित्य और समाज आगे बढ़ता है।

प्रश्न 19. बिरजू महाराज के गुरु कौन थे? उनका संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर: बिरजू महाराज के गुरु उनके पिता पं. अच्छन महाराज थे। वे लखनऊ घराने के प्रसिद्ध कथक नर्तक थे और रामपुर के नवाब के यहाँ दरबारी नर्तक के रूप में काम करते थे। वे स्वभाव से बहुत सरल और दयालु थे तथा कला के प्रति पूरी तरह समर्पित थे।

भाग 3 — बहुविकल्पीय प्रश्न (387 प्रश्न)

गद्य-खंड

प्रश्न 1. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का जन्म कब हुआ?
(A) 14.04.1888
(B) 14.04.1889
(C) 14.04.1890
(D) 14.04.1891

Ans: (D)

डॉ0 अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में हुआ था, इसलिए यही तिथि सही उत्तर है।

प्रश्न 2. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का जन्म कहाँ हुआ?
(A) महू, मध्यप्रदेश
(B) गोरखपुर, उत्तरप्रदेश
(C) दानकुनी, पश्चिम बंगाल
(D) डुमराँव, बिहार

Ans: (A)

डॉ0 अम्बेडकर का जन्म मध्यप्रदेश के महू नगर में हुआ था, इसलिए 'महू, मध्यप्रदेश' सही उत्तर है।

प्रश्न 3. डॉ0 अम्बेडकर ने किस पत्रिका का सम्पादन किया?
(A) उज्ज्वल भारत
(B) पुरस्कृत भारत
(C) बहिष्कृत भारत
(D) उड़ता भारत

Ans: (C)

डॉ0 अम्बेडकर ने 'बहिष्कृत भारत' पत्रिका का सम्पादन किया था, इसलिए यही नाम सही उत्तर है।

प्रश्न 4. ..... पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण करती है।
(A) श्रम-विभाजन
(B) जाति-प्रथा
(C) प्रत्यक्ष
(D) लोकतंत्र

Ans: (B)

जाति-प्रथा जन्म के आधार पर ही व्यक्ति का पेशा पहले से तय कर देती है, इसलिए यह दोषपूर्ण पूर्व-निर्धारण करती है।

प्रश्न 5. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के माता का क्या नाम था?
(A) रानी बाई
(B) कुन्ती बाई
(C) शीला बाई
(D) भीमा बाई

Ans: (D)

डॉ0 अम्बेडकर की माता का नाम भीमा बाई था, इसलिए यही नाम सही उत्तर है।

प्रश्न 6. आर्थिक पहलू से भी जाति-प्रथा ..... है।
(A) लाभदायक
(B) हानिकारक
(C) अनुकूल
(D) सभी

Ans: (B)

जाति-प्रथा से योग्यता के अनुसार काम नहीं मिलता और समाज की आर्थिक प्रगति रुकती है, इसलिए यह आर्थिक दृष्टि से भी हानिकारक है।

प्रश्न 7. 'मूक नायक' क्या है?
(A) अखबार
(B) पत्रिका
(C) कहानी संग्रह
(D) पुस्तक

Ans: (B)

'मूक नायक' डॉ0 अम्बेडकर द्वारा निकाली गई एक पत्रिका थी, इसलिए यह पत्रिका ही सही उत्तर है।

प्रश्न 8. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के पिता का क्या नाम था?
(A) रामदेव सकपाल
(B) रामजी सकपाल
(C) रामकिशुन सकपाल
(D) राधेराम सकपाल

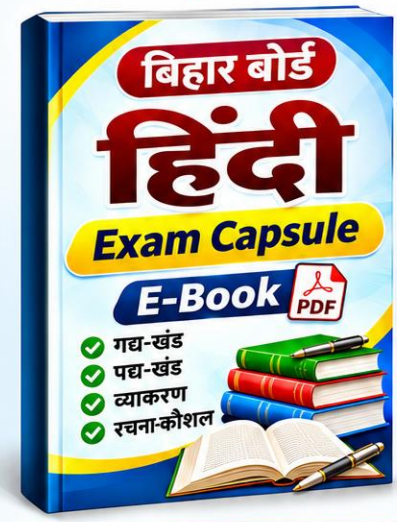
Ans: (B)

NCERTCLASS.COM
NCERT WALA
Grow your mind

अपनी बोर्ड परीक्षा की तैयारी को दें सही दिशा!

हिंदी Exam Capsule

महत्वपूर्ण प्रश्न, उत्तर और अभ्यास सामग्री एक ही ई-बुक में



इस ई-बुक की मुख्य विशेषताएँ

- **88** पेज का ई-बुक
- **36** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
- **87** लघु उत्तरीय प्रश्न
- **387** बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ)
- **6** अपठित गद्यांश (कुल 30 प्रश्न)
- **9** पत्र-लेखन नमूने
- **21** निबंध विषय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का कवरेज

- गद्य-खंड
- पद्य-खंड
- वर्णिका भाग-2
- व्याकरण
- रचना-कौशल
- अपठित अवबोधन

इस ई-बुक में बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण एवं परीक्षा-उपयोगी प्रश्नों का संग्रह दिया गया है। नियमित अभ्यास, उत्तरों की समझ और स्वयं के रिवीजन से आप बेहतर तैयारी कर सकते हैं।

80% तक अंक पाने का लक्ष्य रखें!

यह सामग्री आपकी तैयारी में मदद कर सकती है; अच्छे अंक आपकी मेहनत, नियमित अभ्यास और परीक्षा में प्रदर्शन पर निर्भर करते हैं। 80% अंक की गारंटी नहीं।

आज से अभ्यास शुरू करें – हर प्रश्न को समझें, लिखकर दोहराएँ और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें।

NCERT WALA | NCERTCLASS.COM